

सत्र योजना, परछाई और आकार

इस संस्करण के बारे में। इस संस्करण का अनुवाद अंग्रेज़ी पैक से एआई ने किया है। इसमें गलतियाँ हो सकती हैं। अगर कुछ ठीक करना हो या किसी बात को अलग ढंग से कहना हो, तो hello@potnis.org पर लिखें — हम इसे सुधार देंगे।

About this edition. This edition was translated from the English pack with AI. It may contain mistakes. Write to hello@potnis.org if something should be fixed or said differently — we will update it.

लक्ष्य। हर लड़की देखे कि परछाई कैसे बदलती है और जो देखा उसे दो बार बनाए।

शुरू करने से पहले

- लड़कियों के आने से पहले रोशनी ढूँढ़ें: धूप वाली खिड़की, खुला दरवाज़ा या लैंप। खड़ी चीज़ का किनारा साफ़ बने।
- एक रोशनी क़रीब बारह लड़कियों के लिए; एक बार में दो जोड़ियाँ। लैंप आपके पीछे, तार नीचे दबा।
- हर जगह: पन्ना क और ख, एक पेंसिल, खड़ी करने की एक चीज़, चाहे अपना हाथ।
- सबको दिखे वहाँ लिखें: पहले। फिर। बड़ी। छोटी। बराबर। **काम की रोशनी नहीं? दूसरा पैक चलाएँ।**

घड़ी, 45 मिनट

- 0 से 5: रोशनी ढूँढ़ना
- 5 से 16: परछाई बनाना, पेंसिल फेरना
- 16 से 28: एक चीज़ बदलना
- 28 से 38: दूसरी बार पेंसिल फेरना
- 38 से 45: क्या बदला, और समापन

हो सके तो 45 चलाएँ। 30 में: 3, 11, 19, 26, 30। 60 में: 6, 20, 34, 48, 60, आखिर में पन्ना ख पर एक और बदलाव। चार साल की ज़्यादा हों तो बीच छोटा करें, समापन नहीं।

आप क्या करें

1. रोशनी और दीवार के बीच आ जाएँ। पूछें: "यह काला आकार क्या है?" एक बार कहें: परछाई वहाँ है जहाँ चीज़ रोशनी रोके।
2. जोड़ियाँ बनाएँ, हर जोड़ी वहाँ जाए जहाँ से रोशनी दिखे।
3. एक चीज़ बिना हिलाए पकड़ें, परछाई पन्ना क पर; दूसरी किनारे पर पेंसिल फेरे। फिर अदला-बदली।
4. घूमें, हर जोड़ी तक एक बार पहुँचें। कागज़ हाथ या पत्थर से दबाएँ।
5. सबको रोके: "एक चीज़ बदलो। रोशनी के पास ले जाओ, या घुमा दो। सिर्फ़ एक।"
6. हर जोड़ी नई परछाई पन्ना ख पर फेरे, फिर पन्ना क को ख के बगल में रखे और बोलें कि क्या अलग है।
7. तीनों शब्द पढ़ें; हर लड़की ख पर एक पर गोला लगाए, फिर एक सच्चा वाक्य: "पास किया, परछाई बड़ी हो गई।"
8. समापन: एक चीज़ उठाएँ; दिखाने से पहले कमरा उसकी परछाई का अंदाज़ा लगाए।

इन पर नज़र रखें

1. लड़की जान-बूझकर एक चीज़ बदले और बता सके कौन-सी।
2. दोनों पन्ने अगल-बगल हों, दोनों ख़ाके नाप या आकार में अलग हों।
3. देखने से पहले अंदाज़ा: "यह बड़ी हो जाएगी", फिर खुद जाँचे।

सबसे ज़्यादा क्या बिगड़ता है। हाथ हिलता है, तो परछाई भी। कलाई टिकाने को कुछ दें, या चीज़ कागज़ पर लिटाकर उठाएँ।

CC BY 4.0 · Potnis Family / potnis.org